

चलिए शिव के द्वारे

सावन आइयो रे चलिए शिव के द्वारे,
कवर कंधे धर के ओ गंगा जल भर के,
अरे बोल के सब जैकारे,
सावन आइयो रे चलिए शिव के द्वारे,

सावन में भोले जी को कावर जो चढ़ाते हैं,
एक लोटा गंगा जल से भोले खुश हो जाते हैं,
दया उस पर करते ओ भोले भण्डार भरते,
कई बिगड़े भाग सवारे,
सावन आइयो रे चलिए शिव के द्वारे,

शिव जी हैं भोले भाले वर देते मनमानी,
तीनों लोको में ऐसा कोई ना है दानी,
पार भाव से करते पल में दुखड़े हर ते,
कई डुब्दै पार उतारे,
सावन आइयो रे चलिए शिव के द्वारे,

शिव लिंग पे बेल पतरी,
फूल फल चढ़ा देना,
थोड़ा सा चन्दन गिसके शिव लो लगा देना,
काम तेरा हो जायेगा,
जो मांगे मिल जायेगा,
तेरे हो जाये उचे वारे न्यारे,
सावन आइयो रे चलिए शिव के द्वारे,

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/5773/title/sawan-aaio-re-chliye-shiv-ke-dware-kawar-kandhe-ghar-ke-ao-ganga-jal-bhar-ke->

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |